No. of Printed Pages : **4**

MGP-002

M.A. IN GANDHI AND PEACE STUDIES

Term-End Examination

December, 2014

MGP-002 : PHILOSOPHY OF GANDHI

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Answer **any five** questions, selecting at least **two** from each sections. Answer should not exceed **500** words limit. **All** questions carry **equal** marks.*

SECTION - I

1. What according to Gandhi is 'Anasakti Yoga' ? Explain its significance in Gandhian philosophy.

2. "Truth is God ; and God is Truth". Examine this statement against the importance Gandhi attached to Truth.

3. To Gandhi *ahimsa* is the means to realising Truth. Explain.

4. Examine how according to Gandhi *Khadi* is a critique of modern civilization.

5. Write a note on Gandhi's views on women and their status in Indian society.

SECTION - II

6. It is said that Gandhi's *Sarvodaya* ideal is more relevant today than before. Comment.

7. Explain how Gandhi perceives *Satyagraha* as both a right and duty.

8. Write an explanatory note on Gandhian concept of *Swaraj*.

9. Discuss Gandhi's views on religion.

10. Critically examine the notion of perfectibility of man in Gandhi.

एम.ए. (गाँधी और शांति अध्ययन)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

एम.जी.पी.-002 : गाँधी का दर्शन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***किन्हीं पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग में से कम-से-कम* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग* **500** *शब्दों में दीजिए।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

भाग - I

1. गाँधी के अनुसार 'अनासक्ति योग' क्या है? गाँधी दर्शन में इसका क्या महत्व है, स्पष्ट कीजिए।

2. ''सत्य ईश्वर है; और ईश्वर सत्य है''। इस कथन की सत्य से गाँधी की संबद्धता के महत्व की समीक्षा कीजिए।

3. गाँधी के लिए *अहिंसा* सत्य को समझने का एक साधन है। स्पष्ट कीजिए।

4. गाँधी के अनुसार किस प्रकार से *खादी* आधुनिक सभ्यता की समीक्षक है, विश्लेषण कीजिए।

5. भारतीय समाज में महिलाओं और उनकी स्थिति पर गाँधी के विचारों पर टिप्पणी कीजिए।

भाग - II

6. यह कहा जाता है कि गाँधी का *सर्वोदया* का आदर्श आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। टिप्पणी कीजिए।

7. गाँधी किस प्रकार से *सत्याग्रह* को अधिकार और कर्त्तव्य दोनों के रूप में महसूस करते हैं, स्पष्ट कीजिए।

8. *स्वराज* की गाँधीवादी संकल्पना पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए।

9. धर्म पर गाँधी के विचारों की चर्चा कीजिए।

10. गाँधी में मनुष्य की सम्पूर्णता की धारणा की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।